योग बल से बनानी सृष्टि पावन
माया पर जीत पहन बनना जगतजीत
बाप दुःख हर्ता-सुख कर्ता बन रावण की ज़ंजीरों से छुड़ाते
स्वयं आकर अपना और अपनी जायदाद का परिचय देते
5-विकारों का दानकर बनना सतोप्रधान
एक ही साइलेंस की शक्ति का रखना शुद्ध घमण्ड
इस रूद्र-यज्ञ में अपना तन-मन-धन सब कुछ सफल करना
स्वयं शक्ति स्वरुप रहना और सर्व को शक्ति स्वरुप बनाना
अर्थात निर्बल आत्माओं को बल देना
बेहद के प्रति शुभ-भावना और श्रेष्ठ-कामना का स्वरुप रखना
अलंकार होते ब्राह्मण जीवन का श्रृंगार
तो अलंकारी बनना, देह अहंकारी नही बनना

ॐ शांति
मेरा बाबा